हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, शुक्रवार, 22 अगस्त 2025

11 अधिकारी और कर्मचारी शिकायतों का समाधान...

12 प्राध्यापकों ने दिया काले बिल्ले लगाकर सांकेतिक ...

वर्धमान ज्वैलर्स
सोने व चांदी के आधुनिक आभूषणों का विश्वसनीय प्रतिष्ठान
ब्रांच : नज़दीक के एम स्कूल, हांसी गेट ✆9215657444 शोरूम : घंटाघर बाजार ✆9215656444

सचिन जैन
संचालक

खबर संक्षेप

विवाहिता लापता, पुलिस ने दर्ज किया मामला

लोहारू। उपमंडल के एक गांव से एक विवाहिता के लापता होने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने पति की शिकायत पर गुमशुदगी का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में विवाहिता के पति ने बताया कि उसने वर्ष 2011 में लव मैरिज किया था। उसके नौ साल का बेटा और चार साल की बेटी भी है। 7 अगस्त को उसकी पत्नी बेटी को लेकर बिना बताए घर से चली गई और उसके बाद वापिस नही लौटी। आस पड़ोस में भी काफी तलाश की गई लेकिन वह नहीं मिली।

श्रीश्याम सुंदर ज्योति मंडल का भंडार संपन्न

लोहारू। श्रीश्याम सुंदर ज्योति मंडल द्वारा आयोजित 19वां पांच दिवसीय भंडारा संपन्न हो गया। पांच दिनों तक चले इस भंडारे के लिए दौरान गोगामेड़ी जाने वाले हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस बारे में संगठन के प्रधान सुभाष सैनी ने बताया कि श्रीश्याम सुंदर ज्योति मंडल द्वारा पिछले 19 वर्षों से गोगा नवमी के मौके पर गोगामेड़ी जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए लोहारू वासियों के सहयोग से प्रतिवर्ष यह भंडारा लगाया जा रहा है। मॉडल संस्कृति स्कूल की प्राचार्य पूनम श्योराण ने कहा कि श्रीश्याम सुंदर ज्योति मंडल द्वारा इलाके में किए जा रहे धार्मिक और सामाजिक कार्य काफी सराहनीय हैं।

निर्माण कार्यों को शीघ्र पूरा करें अधिकारीः डीसी

चरखी दादरी। उपायुक्त मुनीश शर्मा ने कहा कि जिले में चल रहे निर्माण कार्यों में तेजी लाएं और गुणवत्ता का ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि जिले में विभिन्न विभागों द्वारा निर्माण कार्य किए जा रहे हैं, जिसे उन कार्यों को तय समय सीमा में पूरा किया जाए और निर्माण सामग्री में उच्च गुणवत्ता का ही उपयोग करें। उन्होंने कहा कि जिले में संबंधित विभागों द्वारा क्रियान्वित की जा रही सभी योजनाओं की अपडेट रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होंने मनरेगा के तहत चल रहे निर्माण कार्यों की स्थिति के बारे में जानकारी ली।

बहुचर्चित शिक्षका मनीषा प्रकरण : अंतिम संस्कार के समय प्रशासनिक अमला रहा मुस्तैद

हजारों नम आंखों से दी बेटी को अंतिम विदाई, भाई नितेश ने दी चिता को मुखाग्नि

- एसडीएम ने कहा कि एम्स की रिपोर्ट गोपनीय होती है। जो सीबीआई को बंद लिफाफे में दी जाती है। मामले की सघन जांच जारी रहेगी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| लोहारू

सरकार द्वारा सारी शर्तें माने जाने के बाद गुरुवार को परिजनों ने शिक्षिका मनीषा के शव का अंतिम संस्कार कर दिया। अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी होने के बाद प्रशासन ने राहत की सासं ली। इस दौरान प्रशासनिक अमला गांव ढाणी लक्ष्मण में तैनात रहा। अंतिम संस्कार के दौरान आईजी राजश्री, एसडीएम मनोज दलाल, कमल प्रधान के अलावा आसपास के इलाके के अनेक लोग मौजूद रहे। मृतका के छोटे भाई नितेश ने मुखाग्नि दी।

बहुचर्चित अध्यापिका प्रकरण मामले में गुरुवार को परिजनों ने प्रशासन की चाक चौबंद व्यवस्थाओं के बीच गांव ढाणी लक्ष्मण में मृतका मनीषा के शव को शमशान घाट ले जाया गया। मृतका मनीषा के पिता फुट- फूटकर रोए और जुबां पर बस ये ही भाव दिखाई दे रहे थे कि बेटी तेरे गुनहगारों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए। इस दौरान पिता ही नहीं शमशान घाट पर जो भी व्यक्ति पहुंचा। उसकी आंखों से अश्रुधारा बहती नजर आई।

अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही अधिकारी गांव ढाणी लक्ष्मण से वापस निकले। किसान नेता गुरनाम सिंह चढ़ूनी, सुरेश कोथ, भाजपा नेत्री प्रियदर्शिनी, कमल प्रधान, वरुण श्योराण सहित इलाके के कई संगठनों के सदस्य और ग्रामीण मौजूद रहे।

न्याय प्रक्रिया पर पूरा भरोसा : संजय

मृतका मनीषा के पिता संजय ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि सरकार ने उनकी मांगे मान ली है, सीबीआई से जांच होगी। एम्स से रिपोर्ट आएगी। हम से जो भी पूछताछ की जाएगी, प्रशासन का पूरा सहयोग किया जाएगा। उम्मीद है जो भी मुजरिम हैं उनको पुलिस आगे लाएगी और उनको पूरा न्याय मिलेगा। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश के लोगों का पूरा सहयोग मिला है। वहीं पुलिस कमिश्नर राजश्री ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि उन्हें बेटी मनीषा की मौत पर दुख है। इस घटना से पूरा इलाका स्तब्ध है। उन्होंने परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की और कहा कि वे इस दुख की घड़ी में परिवार के साथ हैं।

जांच जारी रहेगी

एसडीएम लोहारू मनोज दलाल ने पत्रकारों से बातचीत में बताया कि आज बहन मनीषा को अश्रुपूर्ण सम्मान सहित अंतिम विदाई दी गई है, परिजनों और जनभावनाओं को देखते हुए सरकार ने मामले की सीबीआई जांच करने और एम्स में शव का पोस्टमार्टम करने की मांग मान ली थी। सीबीआई द्वारा इस पूरे मामले की जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण माहौल में बहन को अंतिम विदाई दी गई है। उन्होंने कहा कि एम्स की रिपोर्ट गोपनीय होती है। जो सीबीआई को बंद लिफाफे में दी जाती है। मामले की सघन जांच जारी रहेगी।

सरकार को ऐसी घटनाओं पर गंभीर होना पड़ेगाः चंढूनी

किसान नेता गुरनाम सिंह चंढूनी ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि यह बहुत दुखदाई घटना है, सरकार को ऐसी घटनाओं पर गंभीर होना पड़ेगा। इस मामले में पहले ही पारदर्शिता से जांच हो जाती तो मामला इतना नहीं बढ़ता। ऐम्स से पोस्टमार्टम करने व सीबीआई जांच की मांग पूरा होने से लोग संतुष्ट हुए है। उन्होंने कहा कि इस मामले में किसी प्रभावशाली व्यक्ति को बचाने का प्रयास नहीं किया जाना चाहिए, कर अन्यथा फिर लोग उठ खड़े हो सकते हैं। इस मामले में यदि किसी पुलिस अधिकारी की भी गलती है तो खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

नेत्रहीन के जीवन में उजियारा करेंगी जैन निवासी विजय इंसां की आंखें

- सेठ किशनलाल जालान नेत्र अस्पताल की टीम ने सुरक्षित रखी विजय इंसां की आंखें
- गुरमीत राम रहीम सिंह इन्सां की प्रेरणा पर चलते लिया था नेत्रदान का संकल्प

भिवानी। नेत्रदान करने वाले विजय कुमार इंसां का फाइल फोटो।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

जैन चौक निवासी 53 वर्षीय विजय कुमार इंसा भले ही दुनिया में न हो, लेकिन उनकी आंखें दुनिया को देखती रहेंगी। डेरा सच्चा सौदा की ब्लड व आई डोनेशन समिति के जिम्मेवार मनीष इन्सां ने बताया की विजय इंसा अपनी श्वासों रूपी पूंजी पूर्ण कर मालिक के चरणों में जा विराजे हैं। उन्होंने गुरमीत राम रहीम सिंह इन्सां की प्रेरणा पर चलते हुए नेत्रदान का संकल्प लिया हुआ था। परिजनों ने विजय इंसा की अंतिम इच्छा को पूरी कर उनके नेत्रदान करने का निर्णय लिया। सूचना मिलने पर सेठ किशनलाल जालान नेत्र अस्पताल से डॉ. सुरेंद्र, सतीश मखीजा, काउंसलर विवेक, सहयोगी संदीप की टीम उनके घर पहुंची तथा विजय की आंखें सुरक्षित रख ली, जिनका उपयोग किसी नेत्रहीन के अंधकारमय जीवन में उजियारा भरने के लिए किया जाएगा।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर आई डोनेशन टीम के जिम्मेवार मनीष इन्सां, सेवादार पंकज इन्सा, मनोज इन्सा, गणपतराय जसूजा, भाई नरेश कुमार, विजय इंसां का बेटा सौरभ, बेटी सिमरन, विजय की पत्नी ऊषा रानी इंसा, माता बीना रानी, बिमला गुरेजा इंसां आदि परिजन मौजूद रहे।

खेत के मालिक के काम पर रखे युवक ने कुत्तों के झुंड को किया था दूरः डीजीपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

- डीजीपी शत्रुजीत कपूर ने कहा कि भिवानी के ढाणी लक्ष्मण की महिला टीचर मनीषा की संदिग्ध हालत में शव मिलने के मामले की जांच अब सीबीआई करेगी। इसको लेकर राज्य सरकार व केंद्र सरकार नोटिफिकेशन जारी करेगी। इस केंद्र से संबधित सभी एवीडेंस सीबीआई को उपलब्ध करवा दिए जाएंगे। साथ ही उन्होंने साफ किया कि वैज्ञानिकों व डॉक्टरों की निष्ठा पर कोई प्रश्न चिह्न नहीं है, बल्कि परिवार की मांग तथा राज्य सरकार के कमेटमेंट के चलते यह मामला सीबीआई को सौंपा गया है। वे पुलिस अधीक्षक कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमने युवा बेटी को खो दिया है। वे दुख की इस घड़ी में परिवार के साथ खड़े है। परिवार की मांग व आमजन की मांग पर इस मामले में तीसरी बार दिल्ली ऐम्स से पोस्टमार्टम भी करवा दिया गया है। जिसकी रिपोर्ट जल्द आ जाएगी। इससे पहले दो बार पोस्टमार्टम भिवानी व रोहतक पीजीआई में करवाया गया। अंतर्राष्ट्रीय स्तर के मापदंडों को अपनाते हुए पोस्टमार्टम करवाया गया है। जिसमें फोरेंसिक एक्सपर्ट की मदद भी ली गई है।

भिवानी। पत्रकारों से बातचीत के बाद बाहर आते डीजीपी शत्रुजीत कपूर। फोटो : हरिभूमि

जांच में लगता है समय

डीजीपी शत्रुजीत कपूर ने बताया कि इस संबंद्ध में जो सुसाइड नोट मिला था, उसके सही होने तथ्यों की जांच में समय लगा तथा एक्सपर्ट की मदद ली गई। किसी भी बेटी के व्यक्तिगत मामलों को प्रथम दिन ही साक्ष्यों को जांचे बगैर सार्वजनिक करना उचित नहीं होता। इसीलिए लैटर की सत्यता सही पाए जाने पर ही यह बाहर आया है। सुसाइड नोट ही नहीं, बेटी का बैग व अन्य सामान भी मिला था।

पत्रकारों द्वारा पूछे गए एक सवाल आवारा पशु जहर खाए हुए शव को नोंचने का कार्य अक्सर कम ही करते है, इस प्रश्न के जवाब में उन्होंने बताया कि जब भी शरीर में जहर जाता है तो जहर शरीर के अंदुरूनी में पहले फैलता है। त

वचा व गर्दन जैसी बाहरी अंगों में सबसे लेट पहुंचता है। जिस वजह से गर्दन के उपरी हिस्से में बहुत देर व कम मात्रा में जहर पहुंचता है।

13 को मिली थी शव के बारे में प्रारंभिक जानकारी

डीजीपी शत्रुजीत कपूर ने इस सारे घटनाक्रम के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि यह बेटी 11 अगस्त को प्रतिदिन की तरह डेढ़ बजे जिस बस से आती थी, उसने उस बस के ड्राइवर को फोन कर बता दिया था कि वह नहीं जाएगी। जिसके बाद वहीं बाजार के कीटनाशक दुकान से कीटनाशक खरीदने के साक्ष्य पाए गए। बाजार में लगे सीसीटीवी कैमरे में भी उसे देखा गया तथा इस संबद्ध में जिस दुकानदार से कीटनाशक खरीदा है, उसके ब्यान भी दर्ज कर लिए गए है। उसके बाद सीसीटीवी के कोई साक्ष्य नहीं मिले है। 13 अगस्त को मनीषा के शव के बारे में प्रारंभिक जानकारी मिली, जब एक खेत मालिक ने एक लड़के को काम पर रखा था, उसने आवारा कुत्तों का एक झुंड इस शव को नोच रहा था। खेत मालिक के काम पर रखे लड़के ने एक अन्य व्यक्ति की मदद से कुत्तों के इस झुंड को शव से दूर किया, जिसके बाद पुलिस को बुलाकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई करवाई गई। प्रथम दृष्टि में पुलिस को भी जिस प्रकार से शव की स्थिति थी, उसको देखकर हत्या का मामला लगा था।

एआईकेकेएमएस ने मांगों का ज्ञापन मुख्यमंत्री नायब सैनी के नाम सौंपा

स्मार्ट मीटर स्कीम पर लगाने के विरोध में किया प्रदर्शन

- स्मार्ट मीटर लगने से लाखों मीटर रीडर, वितरक तथा अन्य कर्मचारी होंगे बेरोजगार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन (एआईकेकेएमएस) के कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने स्मार्ट मीटर स्कीम पर तत्काल रोक लगाने, बढ़ाए गए बिजली के दाम वापस लेने, बिजली संशोधन बिल-2023 निरस्त करने, बिजली कानून-2003 रद्द करने, बकाया ट्यूबवेल कनेक्शन तुरंत जारी करने, बिजली उपभोक्ताओं से फ्यूल सरचार्ज तथा फिक्स चार्ज वसूलना बंद करने तथा बिजली को कारपोरेट घरानों को सौंपने व निजीकरण से दूर रहने की मांगों को लेकर वीरवार को प्रदेश स्तरीय प्रदर्शन किया तथा मांगों का ज्ञापन मुख्यमंत्री के नाम सौंपा।

इस अवसर पर एआईकेकेएमएस के सदस्य कामरेड राजकुमार बासिया, प्रदेश अध्यक्ष अनूप सिंह मातनहेल, सचिव जयकरण मांडौठी, उपाध्यक्ष रोहतास सिंह सैनी, हंसराज राणा, विजय कुमार, ईश्वर सिंह राठी, राजकुमार, रामकुमार तथा छज्जूराम रावत ने बताया कि देश के हर नागरिक को न्यूनतम संभव कीमत पर बिजली उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ही आजादी के बाद बिजली को एक जन कल्याणकारी सेवा माना गया था, लेकिन 1990 के दशक में भूमंडलीकरण की आर्थिक नीतियां लागू होने के बाद बिजली को खरीद-फरोख्त की वस्तु में तब्दील कर दिया गया ताकि निजी व्यापारिक कंपनियां (कॉरपोरेट) मनमाना मुनाफा लूट सकें। बिजली कानून-2003 इसी उद्देश्य से बनाया गया। बिजली उपभोक्ता मंच के प्रदेश अध्यक्ष मेहर सिंह बांगड बताया कि केंद्र सरकार के नक्शे कदम पर चलते हुए तत्कालीन हरियाणा सरकार ने भी भी बिजली बोर्ड को भंग करके इसे उत्पादन, वितरण व प्रसारण कंपनियों में विभक्त कर दिया। इसके बाद सत्ता में जो भी सरकार आयी, उसने तेजी से बिजली का निजीकरण किया। बिजली कनेक्शन के लिए आवेदन से लेकर बिल भरने तक तमाम तरह के रेट कई गुना बढ़ा दिये गये। अब स्मार्ट बिजली मीटर लगाने के पीछे भी सरकार की यही मंशा है। प्रीपेड मोड में होने के बाद उपभोक्ता को बिजली खपत के लिए अग्रिम भुगतान करना होगा। यह पहले बिजली खपत, उसके बाद भुगतान के उपभोक्ताओं के पिछले 75 सालों से इस्तेमाल किये जा रहे मौलिक अधिकार का सरासर हनन होगा। प्रीपेड मीटर में अग्रिम भुगतान की राशि खत्म होते ही तुरंत बिजली कट हो जाएगी। यह बिजली कानून 2003 की धारा 56 का सरासर उल्लंघन होगा, जिसके तहत बिजली कनेक्शन काटने से 15 दिन पहले नोटिस देना अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगने से सारे देश में तकरीबन लाखों मीटर रीडर, वितरक तथा अन्य कर्मचारी बेरोजगार हो जायेंगे।

इस अवसर पर व्रतपाल, श्रवन कुमार, फूल चंद, जयकरण दहिया, देवेंद्र सिंह सबोली, ईश्वर सिंह दहिया, धर्मबीर, राजकुमार बासिया, रोहित, नरेंद्र सिंह, भारत, जयकिशन दलाल, रणबीर सिंह, जिले सिंह, रण सिंह, अशोक प्रधान, ईश्वर सिंह तथा अन्य उपस्थित रहे।

छतों पर लगे आउटर यूनिट व कंप्रेसर चोरी के चार आरोपित किए गिरफ्तार

भिवानी। थाना शहर पुलिस भिवानी ने दुकान की छतों पर लगे आउटर यूनिट व कंप्रेसर चोरी करने के मामले में आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार अशोक कुमार निवासी सेक्टर 13 हुडा भिवानी ने थाना शहर पुलिस भिवानी को एक शिकायत दर्ज करवाई थी जिसमें शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि 19 अगस्त की सुबह चोर उनकी दुकान की छत पर लगे आउटर यूनिट व कंप्रेसर चोरी करके ले गए थे।

शिकायत पर पुलिस ने संबंधित धाराओं के तहत अभियोग थाना शहर भिवानी में दर्ज किया था। थाना शहर पुलिस भिवानी के मुख्य सिपाही समीर सिंह ने दुकान की छत पर लगे आउटर यूनिट व कंप्रेसर चोरी करने के मामले में चार आरोपियों को नेकीराम पार्क भिवानी से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान अमित पुत्र हुकुमचंद निवासी खाड़ी मोहल्ला, विकास पुत्र नेकी राम निवासी रूद्र कॉलोनी भिवानी, भानु प्रताप पुत्र अशोक कुमार निवासी खाड़ी मोहल्ला भिवानी व पारस पुत्र राकेश निवासी पतराम गेट भिवानी के रूप में हुई है। पुलिस टीम के द्वारा आरोपियों से दुकान की छत से चोरी किए गए चार कंप्रेसर व एक आउटर यूनिट को बरामद किया गया है।

haribhoomi.com

हरिभूमि बालभूमि

रोहतक, शुक्रवार 22 अगस्त 2025

10

छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

कहानी

अशोक जोशी

बबलू की कुछ शब्द अटक कर और तुतला कर बोलने की आदत थी। इस कारण स्कूल में बच्चे उसकी हंसी उड़ाते थे। लेकिन क्लास के एक साथी की मदद से बबलू बिना तुतलाए धड़ल्ले से ऐसे बोलने लगा कि इसकी किसी को उम्मीद नहीं थी। बबलू के साथ यह कमाल हुआ कैसे?

जीत गया बबलू

बबलू के पापा मिस्टर शाह भारत सरकार के वित्त विभाग में कार्यरत हैं। उनका ट्रांसफर रायपुर से जबलपुर हुआ तो वह पूरे परिवार को लेकर वहां आ गए। उन्होंने बबलू का एडमिशन शहर के एक अच्छे और नामी-गिरामी स्कूल में करवाया। बबलू के साथ एक दिक्कत यह थी कि वह बोलते समय किसी-किसी शब्द पर अटक जाता था। साथ ही वह कुछ अक्षरों का उच्चारण करते समय तुतलाता भी था, जैसे- 'क' को वह 'त' बोलता था।

रायपुर के स्कूल में तो वह बचपन से पढ़ रहा था। वहां के सहपाठियों में वह घुल-मिल गया था। कोई उसकी इस कमजोरी का मजाक नहीं उड़ाता था। अब बबलू को चिंता होने लगी कि नए स्कूल में नए सहपाठी उसके साथ कैसा व्यवहार करेंगे?

अगले दिन बबलू अपने स्कूल पहुंचा तो उसे वहां का माहौल एकदम अलग और नया-नया सा लगा। बच्चे भी ज्यादा स्मार्ट दिखाई दिए। उसने एक लड़के से पूछा, 'त्यों, पांचवीं बी त्ला..त्लास तहां है?' लड़के ने बबलू पर हंसते हुए पूछा, 'तो नए आए हो?' बबलू ने कहा, 'हां, पिछले दिनों रायपुर से आया हूं।' वह लड़का बबलू को अपने साथ क्लास में लेकर गया और सभी बच्चों से बोला, 'यह हमारी क्लास का नया स्टूडेंट है। सभी लोग इससे 'क्यों' बोलने को कहें।' जब बच्चों ने बबलू से 'क्यों' कहने को कहा, तो बबलू अपने स्वाभाविक रूप से बोला 'त्यों'। उसी दिन से सारे बच्चे उसे 'त्यों-त्यों' कहकर चिढ़ाने लगे।

बबलू की क्लास में शेखर नाम का एक छात्र भी था। उसके पिता स्पीच थेरेपिस्ट थे। शेखर को बबलू की बातें सुनकर पता चल गया कि इसे अटक कर बोलने और कुछ शब्दों को तुतला कर बोलने की आदत है। उसने बबलू को अपने पास बैठाया और कहा कि वह धैर्य से काम ले, साथी छात्रों की बातों पर ध्यान न दे। रात को शेखर ने अपने पापा (डॉक्टर सक्सेना) को सारी बात बताई। उन्होंने कहा, 'रविवार को तुम बबलू और उसके पापा को अपने यहां बुला लो, मैं उसकी समस्या देखकर इसका इलाज करता हूं।'

शेखर ने बबलू को अपने पापा के साथ घर आने को कहा। रविवार को बबलू अपने पापा के साथ शेखर के घर पहुंचा। जान-पहचान के बाद शेखर के पापा ने बबलू के पापा से पूछा, 'इसे यह समस्या कब से है?'

'जी, कोई छह सात साल पहले से।' बबलू के पापा ने बताया। डॉक्टर सक्सेना, बबलू को लेकर अपने घर के बाहर बने क्लिनिक पहुंचे। उन्होंने कुछ यंत्रों से उसके गले को अच्छी तरह से देखा फिर उससे कुछ शब्द बुलवाए। इसके बाद वह बबलू को लेकर घर में आ गए। उन्होंने बबलू के पापा से कहा, 'चिंता की कोई बात नहीं है। बबलू के गले या स्वर यंत्र में कोई समस्या नहीं है। कभी-कभी बचपन में तुतलाहट या आस-पास बोले जाने वाले शब्दों को दोहराने की आदत से बच्चों में कुछ शब्दों पर अटकने और कुछ शब्दों को बोलने में तुतलाहट आ जाती है। लेकिन लगातार अभ्यास से इसमें सुधार हो सकता है। इसके लिए मैं आपको कुछ एक्सरसाइज बताता हूं। इसे लगातार करने से तीन-चार महीने में फायदा हो जाता है।'

'डॉक्टर साहब मैं आपका आभारी रहूंगा।' बबलू के पिताजी ने हाथ जोड़ते हुए कहा।

'जी, इसकी कोई जरूरत नहीं है। मेरे लिए जैसा शेखर है, वैसा ही बबलू है।' डॉक्टर सक्सेना ने विनम्रता से जवाब दिया। फिर उन्होंने शेखर को बुलाकर कहा कि वह क्लास में बबलू को अपने पास में बैठाए। उन्होंने कुछ शब्द लिखकर दिए और बोले, 'बबलू, जब तक तुम्हारा उच्चारण सुधर नहीं जाता, तुम परेशानी वाले शब्दों की जगह उससे मिलते-जुलते दूसरे शब्दों का प्रयोग करना। यह हमारी हिंदी भाषा की विशेषता है कि इसने हमें कई पर्यायवाची शब्द दिए हैं। तुम क्यों की बजाए 'व्हाय' बोलना। फिर देखना कोई तुम्हें परेशान नहीं करेगा। दूसरे दिन से बबलू ने शेखर के पास बैठना शुरू कर दिया। स्कूल से छूटने के बाद घर आकर वह डॉक्टर सक्सेना द्वारा बताई गई एक्सरसाइज कर शब्दों का सही उच्चारण का अभ्यास करने लगा। लेकिन उसने स्कूल में किसी को नहीं बताया था कि वह स्पीच थैरेपी की प्रैक्टिस कर रहा है। कुछ दिनों बाद जब स्कूल का वार्षिक कार्यक्रम था तो बबलू ने भाषण की बहुत प्रैक्टिस की। जिस दिन भाषण प्रतियोगिता थी, बच्चों के साथ उनके माता-पिता भी आए थे। जब भाषण के लिए बबलू के नाम की घोषणा हुई तो खूब तालियां बजीं। यह तालियां बबलू का उत्साह बढ़ाने के लिए नहीं थीं बल्कि बच्चों ने समझा कि भाषण में जब बबलू अटकेगा और तुतलाकर बोलेगा तो बड़ा मजा आएगा। बबलू मंच पर आया। उसने सभी का अभिवादन कर धीरे-धीरे जब अपना भाषण आरंभ किया तो बच्चे एक-दूसरे का मुंह देखने लगे। उन्हें अपने कानों पर विश्वास नहीं हुआ कि यह सब बबलू बोल सकता है। बबलू ने अपने भाषण में उन सभी शब्दों का प्रयोग किया, जिन पर वह अटक जाता था या तुतलाता था। सब हैरान थे कि बबलू धाराप्रवाह बोले जा रहा था। जब बबलू का भाषण समाप्त हुआ तो पहले से भी जोर से तालियां बजीं। प्रतियोगिता के बाद जब परिणाम घोषित हुआ तो बबलू को सेकेंड प्राइज मिला था। यह उसके लिए पहले पुरस्कार से भी ज्यादा मूल्यवान था, क्योंकि उसने नियमित अभ्यास और धैर्य से अपनी कमजोरी पर काबू पा लिया था। *

क्यों होते हैं कारों के अलग-अलग रंग के नंबर प्लेट

बच्चो, तुमने नोटिस किया होगा कि गाड़ियों की नंबर प्लेट अलग-अलग रंग की होती हैं। किस कलर की नंबर प्लेट किस तरह की गाड़ियों में लगाई जाती है, यह तुम्हें जानना चाहिए।

नॉलेज टॉक

आलोक कुमार दुबे

उस दिन नयन अपने नानाजी के साथ स्कूटी पर आगे खड़े होकर जा रहा था। जब भी कोई कार सामने आती, वह उसका नाम लेकर उस कार के बारे में बोलता जाता, 'नानू, यह देखो एक और टाटा पंच, यह मारुति वैगनआर और यह टाटा नैनो। यह गाड़ी ब्रेजा है, यह मेरे फूफा जी के पास भी है।' असल में नयन को सड़क पर चलते समय कारों को उनके मॉडल और कंपनी के नाम से पुकारने का शौक है।

'अच्छा नयन, तुम कार को देखकर यह तो बता देते हो कि यह कौन सी कार है, लेकिन क्या उसकी नंबर प्लेट देखकर तुम बता सकते हो कि यह किस तरह की कार है?' नानाजी ने नयन से पूछा।

'किस तरह की कार, मतलब?' नयन को नानू की बात समझ में नहीं आई।

'अरे भई, देखो आगे जो कार जा रही है, उसकी नंबर प्लेट पीले रंग की है, जबकि और कारों की नंबर प्लेट सफेद रंग की, कुछ कारों की हरे रंग की भी हैं, ऐसा क्यों?'

नानाजी के इस सवाल से नयन सोच में पड़ गया। वह पीछे घूमकर नानाजी की तरफ देखकर बोला, 'नहीं, मुझे नहीं पता नानू! आप बताइए न!'

'अच्छा चलो, मैं बताता हूं। सफेद रंग की नंबर प्लेट वाली कार प्राइवेट कार होती है, जिसे हम पर्सनल यूज के लिए खरीदते हैं।' नयन बीच में ही बोल पड़ा, 'जैसे पापा की होंडा सिटी...।'

'हां, बिल्कुल वैसे ही।' नानाजी हंसते हुए बोले।

'जबकि पीले रंग की नंबर प्लेट वाली गाड़ियां सार्वजनिक वाहन या किराए की गाड़ियां होती हैं, जिनकी सेवाएं हम समय-समय पर लेते रहते हैं।' नानाजी ने आगे बताया।

'और नानू, हरे रंग की नंबर प्लेट किस तरह की गाड़ी में लगी होती है?' नयन ने पूछा।

तभी एक हरे रंग की नंबर प्लेट वाली कार सामने से गुजरी, नयन बोला, 'अरे देखो नानू, हरे रंग की नंबर प्लेट वाली टाटा पंच।'

'हां, इसकी नंबर प्लेट हरे रंग की है यानी कि यह बैटरी से चलने वाली कार है।' नानू ने बताया।

'अच्छा! बिल्कुल मेरी छोटी कार की तरह, जिसे मैं मजे से चला लेता हूं।' नयन चहक कर बोला।

'हां, बिल्कुल तुम्हारी छोटी कार की तरह ही, बस इसमें बैटरी ज्यादा संख्या में और ज्यादा बड़ी होती है।' नानू ने बताया।

तभी एक ई-रिक्शा आता हुआ दिखाई दिया। नयन बोला, 'देखो नानू, इस ई-रिक्शा की नंबर प्लेट भी हरे रंग की है। मतलब यह भी बैटरी से चलता होगा।'

'हां-हां, बिल्कुल सही समझा तुमने!' नानाजी बोले।

इस तरह बातों-बातों में नयन और उसके नानाजी अपने गंतव्य तक पहुंच चुके थे। *

कविता / राजेंद्र श्रीवास्तव

दादा जी

ये दादा, मैं इनका पोता,
इनके साथ जागता-सोता।
दादा जी के आस-पास ही
सारा दिन मैं अकसर होता।
गुस्सा होते नहीं कभी भी,
इनको प्रिय है दूध-दही-घी।
अस्सी बर्ष उम्र है इनकी,
लेकिन चुस्त-दुरुस्त अभी भी।
श्वेत वस्त्र हैं, श्वेत ही दाढ़ी,
गाते मीठे गीत पहाड़ी।
इनको पैदल चलना भाता,
नहीं सुहाती मोटर-गाड़ी।

एआई इमेज

तुम्हारे लिए नई किताब / चंद्रप्रकाश

मारी के संघर्ष की कहानी

बच्चो, अपना घर सभी को प्यारा होता है। जंगली जानवरों के लिए जंगल ही उनका घर होता है। इस चित्र-पुस्तक में नन्ही-सी हथिनी 'मारी' के माध्यम से जंगली हाथियों की मुश्किलों और उनकी चुनौतियों का किस्सा कहा गया है। गर्मियों में जब हवा में नमी कम हो जाती है, तब जंगल की घास सूख जाती है। गर्मी से तालाबों का पानी भी सूखकर कम हो जाता है। इधर हमारे शहर बढ़ रहे हैं, नई-नई सड़कें बन रही हैं, जंगल की जमीन कम हो रही है। ऐसे में हाथियों को अपने चारा-पानी की तलाश में दूर-दूर तक जाना पड़ता है। इस किताब की कहानी की नन्ही हथिनी 'मारी' अपने ऐसे ही एक सफर में बहुत कुछ देखती, झेलती और महसूस करती है। यह सभी जंगली हाथियों के संघर्ष की कहानी है, जिसे 'मारी का सफर' के माध्यम से दिखाया गया है। इस किताब में कहानी के अनुसार पूरे-पूरे पृष्ठ के रंग-बिरंगे चित्र भी बने हैं। *

किताब : मारी का सफर, **लेखिका :** लावण्या कार्तिक, **अनुवाद :** सीमा, **मूल्य :** 70 रुपए, **प्रकाशक :** एकलव्य फाउंडेशन, भोपाल

जीके क्विज-167

1. हाल ही में भारत के 89वें चेस ग्रैंड मास्टर कौन बने हैं?
2. वे दो तत्व कौन से हैं, जो समुद्र के पानी को खारा बनाते हैं?
3. हाल में ही मिस इंडिया यूनिवर्स का खिताब किसने जीता?
4. किस खिलाड़ी की याद में राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया जाता है?
5. भारतीय रिजर्व बैंक का मुख्यालय किस शहर में स्थित है?
6. जब बैरोमीटर का पारा अचानक गिर जाए तो यह किस बात का द्योतक होता है?
7. केन और बेतवा ये दोनों किस नदी की सहायक नदियां हैं?
8. दुनिया में कॉफी सबसे ज्यादा किस देश में पैदा होती है?
9. वायुमंडल में सर्वाधिक मात्रा में कौन-सी गैस पाई जाती है?
10. नियाग्रा जलप्रपात किन दो देशों की सीमा पर स्थित है?

बच्चों, जीके क्विज-167 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें balbhoomihb@gmail.com पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-166 का उत्तर : 1. 79वां, 2. 1857 ई., 3.महात्मा गांधी, 4.1942 ई., 5.सुभाष चंद्र बोस, 6.बाल गंगाधर तिलक, 7.सी. राजगोपालाचारी, 8.सरदार वल्लभभाई पटेल, 9.रवींद्रनाथ टैगोर, 10.भगत सिंह

जीके क्विज-166 का सही उत्तर देने वाले : कबीर-हिसार, सौरभ-बिलासपुर, प्रतीक-बलौदा बाजार, दिव्या-रोहतक, साकेत-महासमुंद, कमल-महेंद्रगढ़, दिव्या-रायगढ़, कोमल-महासमुंद, हर्ष-रोहतक, विकास-रायपुर, चेतन-बालोद

बच्चो, छोटे-बड़े सभी जंतुओं को अपने से बड़े शिकारी जंतुओं से हमेशा खतरा रहता है। इसीलिए प्रकृति ने कई जंतुओं को ऐसी खूबियां दी हैं, जिनकी बदौलत वे अपने शिकारी को आसानी से चकमा दे देते हैं। ऐसे ही कुछ जंतुओं के बारे में जानो।

शिकारियों को चकमा देने वाले ये अजब-अनोखे जंतु

जंतु जगत

रजनी अरोड़ा

बच्चो, प्रकृति ने दुनिया के हर छोटे-बड़े जंतु को दूसरे जानवरों से अपना बचाव करने के लिए कोई न कोई विशेषता प्रदान की है। किसी की अनोखी शारीरिक संरचना शिकारियों से बचाव में मददगार होती है तो कुछ जंतु थोड़े समय के लिए कोई ऐसी गतिविधि करते हैं कि उनका शिकार करने वाला जंतु चकरा जाता है, प्रयास करके हार जाता है या फिर डरकर भाग जाता है। यहां हम ऐसे ही कुछ जंतुओं के बारे में बता रहे हैं।

आर्मडीलो हार्ड प्लेटेड कवर से करता है सुरक्षा: आर्मडीलो नामक जंतु के शरीर पर

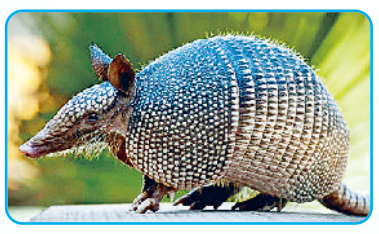

छोटी-छोटी प्लेट्स का बहुत ही कठोर कवर होता है। किसी भी शिकारी के हमले का आभास होने पर यह अपने शरीर को बड़ी खूबी से हार्ड बॉल की तरह कर्ल कर खुद को सुरक्षित कर लेता है। शिकारी जंतु तमाम कोशिशों के बावजूद कवर्ड आर्मडीलो के हार्ड प्लेटेड कवर्ड कर्ल को नहीं खोल पाता है।

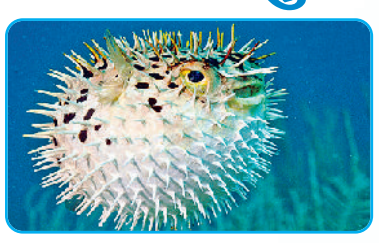

ब्लोफिश बैलून जैसा फुला लेता है शरीर: ब्लोफिश, बड़े आकार की शिकारी मछलियों से अपना बचाव करने के लिए अपनी गर्दन में मौजूद गुब्बारेनुमा झिल्ली में पानी भर कर बड़े गुब्बारे जैसा फूल जाती है। इसके बड़े आकार को देखकर कई बार हमलावर बड़ी मछली डरकर इससे दूर भाग जाती है। जब हमलावर मछली चली जाती है, तो ब्लोफिश मुंह से पानी निकाल कर दुबारा अपने असली साइज में आ जाती है।

कटलफिश शरीर फुलाकर डराती है कांटों से: कटलफिश को जब किसी शिकारी जंतु से

खतरा महसूस होता है तो वह एक साथ ज्यादा पानी पीकर अपने शरीर को बॉल की तरह फुला लेती है। इससे इसके शरीर के चारों ओर कांटे उभर आते हैं। इससे शिकारी जंतु दूर भाग जाता है। शिकारी के चले जाने पर कटलफिश अपने शरीर से पानी निकालकर सामान्य अवस्था में आ जाती है।

पोरकुपाइन कांटों को बना लेता है हथियार: पोरकुपाइन (सेह) के शरीर की सतह पर लंबे, कठोर और पैने कांटे होते हैं। किसी शिकारी जंतु के हमले का अंदेशा होने पर सेह अपने शरीर को अकड़ा लेता है, जिससे उसके कांटे सीधे हो

जाते हैं। शिकारी के पास आने पर वह कांटों की बौछार कर उसे घायल कर देता है और खुद भाग निकलता है। *

ये जंतु भी देते हैं शिकारियों को धोखा

जिस तरह गिरगिट अपना रंग बदलकर शिकारी को धोखा देता है, उसी तरह ऐसे कई और जंतु हैं, जो अपने रंग और शारीरिक संरचना के कारण शिकार होने से बच जाते हैं। पेड़ की टहनी की तरह दिखने वाला लंबा और पतला वॉकिंग स्टिक इंसेक्ट, हरे पत्तों की तरह दिखने वाला लीफ इंसेक्ट, ग्रीन, ब्राउन और पिंक कलर के मैनतीज, झींगुर या ग्रासहोपर जैसे इंसेक्ट्स इसी केटेगरी में आते हैं। ये अगर घास या पेड़ों पर बैठ जाएं तो वहां के रंग और वातावरण में इस तरह घुल-मिल जाते हैं कि अपने शिकारियों को ये नजर ही नहीं आते। ऐसे ही बटरफ्लाइज और मॉथ भी अपने आस-पास के वातावरण जैसे दिखते हैं। पारदर्शी पंखों वाली ग्लासविंग बटरफ्लाई, सूखी पत्तियों के समान रंगत वाली लीफ बटरफ्लाई और पेड़ के तने की छाल से मेल खाते पंखों वाला स्फीनिक्स मॉथ बड़ी आसानी से हमलावरों से अपना बचाव कर लेते हैं।

छोटी कहानी / डॉ. अलका जैन 'आराधना'

किसी काम को पूरा करने की लगन हमारे भीतर हो तो वह एक ना एक दिन किसी भी रूप में पूरा होता ही है, इसलिए निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए, हार नहीं माननी चाहिए।

लहरों की सीख

एक दिन पुलपुल को समुद्र किनारे उदास बैठे देखकर मम्मी ने पूछा, 'क्या हुआ, आज रेत का घरौंदा नहीं बना रहे?'

पुलपुल ने रुंआसा होकर जवाब दिया, 'क्या करूंगा बनाकर? रोज बनाता हूं, दूसरे दिन वापस आकर जब देखता हूं तो लहरें घरौंदे का नामोनिशान मिटा देती हैं।'

मम्मी ने मुस्कुराकर कहा, 'बस! इतने में ही घबरा गए बेटा। जीवन में बहुत बार ऐसा होता है। हमें बिना हिम्मत हारे प्रयास करने चाहिए। कभी ना कभी सफलता मिलती ही है। फिर से घरौंदा बनाने की कोशिश करो, लेकिन लहरों से जरा दूर घरौंदा बनाओ।'

एआई इमेज

पुलपुल ने लहरों से दूर घरौंदा बनाया, इसके बाद भी पुलपुल के बनाए घरौंदे रोज टूटते रहे, लेकिन उसने अपना घरौंदा बनाना बंद नही किया।

कुछ समय बाद पुलपुल के स्कूल में एक प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें बच्चों को क्ले यानी मिट्टी से घर बनाना था। पुलपुल ने भी इस प्रतियोगिता में घर बनाया। दोपहर में पुलपुल जब स्कूल से लौटा तो खुश था। वह चहकते हुए बोला, 'मम्मी, भले ही समुद्र के किनारे बनाया हुआ मेरा घरौंदा रोज टूट जाता है, लेकिन क्ले से बने हुए मेरे घर को फर्स्ट प्राइज मिला है। समुद्र किनारे की गई मेरी प्रैक्टिस आज प्रतियोगिता में काम आई। अब मुझे समझ में आ गया है कि हमें कभी भी हिम्मत नहीं हारनी चाहिए, लगातार मेहनत करनी चाहिए, यह मेहनत कभी बेकार नहीं जाती। किसी ना किस रूप में सफलता मिलती ही है।'

पुलपुल की बात सुनकर मम्मी ने उसे गले लगा लिया। *

रंग भरो-183

रंग भरो-183 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

शौर्य, रोहतक

रितेश, मटियारी

भव्या, बिलासपुर

प्रगति, बिलासपुर

गोपिका, ईमेल से

शुभम, बिलासपुर

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

सुयश-बिलासपुर, प्रियंका-रायपुर, महेंद्र-भोपाल, जितेंद्र-रोहतक, लोकेश-जबलपुर, नीरज-महासमुंद, यश-रायगढ़, खुशी-भिवानी, चंपक-जांजगीर, कविता-कटनी, हितेश-दिल्ली, राकेश-धमतरी, अंकित-गुना, सचिन-करनाल, विराट-बिलासपुर, कुसुम-कोरबा

रंग भरो 184

बच्चो, यहां एक बहुत ही प्यारा-सा ब्लैक एंड व्हाइट चित्र दिया गया है। तुम इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो- संपादक - फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomi-hb@gmail.com पर मेल करो।

सीटीएम ने अधिकारियों को दिए दिशा-निर्देश

अधिकारी और कर्मचारी शिकायतों का समाधान तुरंत करें: सीटीएम

हरिभूमि न्यूज ⏭ चरखी दादरी

सीटीएम प्रीति रावत ने कहा कि सरकार द्वारा जारी निर्देश अनुसार प्रशासन आमजन की शिकायतों के समाधान को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहा है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि अधिकारी और कर्मचारी शिकायतों का समाधान करते समय पारदर्शिता और त्वरित कार्यवाही को प्राथमिकता दें। सीटीएम रावत ने लघु सचिवालय सभागार में समाधान शिविर में अधिकारियों को दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि समाधान शिविर, जनसंवाद कार्यक्रम, सीएम विंडो, सरल केंद्रों और एसएम जीटी पोर्टल पर लंबित मामलों का समयबद्ध निदान करें।

चरखी दादरी। समाधान शिविर में समस्या सुनती सिटीएम प्रीति रावत।

ढिलाई सहन नहीं की जाएगी: सीटीएम

शिविर में बिजली, पानी, पीपीपी, पेंशन संबंधित समस्याओं को सुना। वहीं फैमिली आईडी और अन्य शिकायतों के संबंध में सीटीएम रावत ने विशेष चिंता व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन विभागों से संबंधित लंबित मामलों का शीघ्र समाधान किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि इन शिकायतों के शीघ्र निस्तारण में ढिलाई किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि सही तरीके से दर्ज व निस्तारित शिकायतें न केवल पारदर्शिता को बढ़ावा देंगी, बल्कि बार-बार एक ही शिकायत के खुलने की समस्या भी कम होगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनशिकायत निवारण प्रणाली को और अधिक उत्तरदायी, संवेदनशील और पारदर्शी बनाने के लिए सभी विभाग समन्वय के साथ कार्य करें तथा इस दायित्व को सर्वोच्च प्राथमिकता दें।

मुख्यमंत्री स्वयं कर रहे हैं निगरानी

सीटीएम रावत ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी स्वयं समाधान शिविर, जनसंवाद कार्यक्रमों, सीएम विंडो और एसएमजीटी पोर्टल के माध्यम से दर्ज शिकायतों की निगरानी कर रहे हैं और मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जिला और उपमंडल स्तर तक मामलों की समीक्षा की जा रही है। उन्होंने कहा कि शिकायतों के समाधान में केवल कानूनी या प्रशासनिक दृष्टिकोण पर्याप्त नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनशीलता व व्यवहारिक सोच भी उतनी ही जरूरी है।

बीपीएचओ ने मंत्री का आभार जताया

- प्रजापति समाज को जमीन आरक्षित करने पर बीपीएचओ ने जताया मुख्यमंत्री सैनी व मंत्री गंगवा का आभार
- जिन क्षेत्रों में जमीन आवंटित नहीं हुई, वहां जल्द करवाई जाए जमीन आवंटित: ओमकरण

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी। जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी व लोकनिर्माण विभाग मंत्री रणबीर गंगवा को स्मृति चिन्ह भेंट करते बीपीएचओ के पदाधिकारी व सदस्य। फोटो: हरिभूमि

भारतीय प्रजापति हिरोज आर्गेनाईजेशन (बीपीएचओ) ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार द्वारा प्रजापति समाज के लोगों को मिट्टी के बर्तन बनाने और आवा लगाने के लिए जमीन आरक्षित करने के फैसले की सराहना की। फैसले के लिए संगठन ने जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी व लोकनिर्माण विभाग मंत्री रणबीर गंगवा के माध्यम से मुख्यमंत्री का आभार जताया।

बीपीएचओ का प्रतिनिधिमंडल ने सहसंस्थापक रमेश टांक के मार्गदर्शन व राष्ट्रीय सचिव ओमकरण प्रजापति के नेतृत्व में मंत्री रणबीर गंगवा से मुलाकात की। बीपीएचओ के राष्ट्रीय सचिव ओमकरण प्रजापति ने सरकार के कदम को समाजहित में महत्वपूर्ण पहल बताया। उन्होंने कहा कि यह फैसला प्रजापति समाज के लोगों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाएगा और उनकी पारंपरिक कला को बढ़ावा देगा।

जल्द जमीन उपलब्ध करवाने का आग्रह

प्रजापति ने मंत्री के समक्ष कुछ अहम मांगें भी रखीं। उन्होंने बताया कि अभी भी कई ऐसे गांव और शहर हैं, जहां प्रजापति समाज के लोगों को जमीन आवंटित नहीं की गई है। उन्होंने सरकार से इन क्षेत्रों में भी जल्द जमीन उपलब्ध करवाने का आग्रह किया। इसके अतिरिक्त उन्होंने मांग की कि कुछ जगहों पर आवंटित जमीनों पर कुछ लोगों ने अवैध कब्जा कर रखा है, जिसे सरकार तुरंत खाली करवाएं। इस संबंध में उन्होंने मंत्री विस्तृत मांगपत्र भी मंत्री को सौंपा। बीपीएचओ के सहसंस्थापक रमेश टांक ने कहा कि सरकार की पहल प्रजापति समाज के लोगों को स्थिर आजीविका प्रदान करने और उनकी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

सिंचाई मंत्री का घेराव करेंगे किसान: ओमप्रकाश

- संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर बाढ़ड़ा अनाजमंडी में धरना 37वें दिन भी जारी रहा

हरिभूमि न्यूज ⏭ बाढ़ड़ा

बाढ़ड़ा। कस्बे की अनाजमंडी में बकाया मुआवजे की मांग को लेकर धरना देते किसान।

खरीफ 2023 कपास बीमा क्लेम में घोटाले की जांच व क्लेम प्राप्ति तक संयुक्त किसान मोर्चा के आह्वान पर बाढ़ड़ा अनाजमंडी में धरना 37वें दिन भी जारी रहा। धरने की संयुक्त अध्यक्षता नसीब कारीमोद, राजकुमार हडोदी ने की धरने का संचालन रामपाल सिंह धारणी ने किया। धरने को संबोधित करते हुए कमल सिंह प्रधान व कामरेड ओमप्रकाश ने कहा कि सरकार को किसानों कि मांगों पर विचार करना चाहिए किसान पिछले 37 दिनों से धूप बरसात में धरने पर डेट हुए हैं किसान और कहा कि सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी के घेराव को लेकर अगले एक-दो दिन में रणनीति बनाई जाएगी। उन्होंने कहा कि 2023 कपास बीमा 1लेम में कृषि विभाग के अधिकारियों ने सत्ताधारियों से मिलकर चुनाव आचार संहिता के चलते जिला भिवानी व चरखी-दादरी जिलों के 450 करोड़ रुपयों के क्लेम को लगभग सौ करोड़ रुपये कर 350 करोड़ रुपयों का घोटाला किया। इतना ही नहीं प्रदेशभर में वर्ष 2022-23 में फसल बीमा क्लेम 2497 करोड़ रुपये मिला, चुनावी वर्ष 2023-24 में यह क्लेम सिर्फ 224 करोड़ रुपये किसानों को दिया गया है। किसान नेताओं ने कहा कि नई कृषि विपणन नीति रद करो, मुक्त व्यापार समझौता रद करो, एमएसपी गारंटी कानून लागू करो, किसानों का कर्ज माफ करो, बिजली निजीकरण और स्मार्ट मीटर रद करो, किसानों मजदूरों को बिजली बिल से मुक्त करो सहित अनेक मांग उठाई। धरने पर किसान नेता रणधीर सिंह कुंगड़, युवा नेता विजय कुमार मोटु, सीटू नेता सुमेरसिंह धारणी, मजदूर नेता रोशनलाल, श्योराण खाप प्रधान बिजेंद्र बेरला, मास्टर रघुवीर सिंह, धनसिंह, नसीब मोद, हवासिंह, प्रताप सिंह, रमेश कुमार, राजेश भांडवा, ओमप्रकाश, करतार खोरड़ा आदि मौजूद रहे।

एकजुट रहने की शपथ दिलाई

- गांवों व समाज में भाईचारा एवं एकता बनाए रखना हर नागरिक का कर्तव्य: कर्मबीर

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी। युवाओं को शांति और सद्भावना के मार्ग पर चलते को प्रेरित करते अतिथि।

जिला युवा अधिकारी नित्यानंद यादव और लेखा प्रभार जितेन्द्र सैनी के मार्गदर्शन में सद्भावना दिवस पर माय भारत चरखी दादरी एवं युवा विकास मंडल जीतपुरा के संयुक्त तत्वावधान में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम कर्मबीर श्योराण की अध्यक्षता में किया।

माइ भारत चरखी दादरी यूथ वालंटियर प्रवीण गोलागढ़ ने कहा कि गांवों और समाज में सौहार्द, भाईचारे और आपसी एकता को बनाए रखना हर नागरिक का कर्तव्य है। युवाओं को शांति और सद्भावना के मार्ग पर चलते हुए समाज को नई दिशा देनी उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी एकता में विविधता है और एकता और समाजिक एकजुट रहने की शपथ दिलाई। युवा विकास मंडल के अध्यक्ष कर्मबीर ने युवाओं से शिक्षा और संस्कारों के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने सामूहिक रूप से ये संकल्प लिया कि वे समाज में भाईचारा, राष्ट्रीय एकता, अहिंसा और सद्भावना की भावना को आगे बढ़ाएंगे। युवा विकास मंडल एवं माय भारत चरखी दादरी ने मिलकर निर्णय लिया कि भविष्य में ऐसे सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम लगातार किए जाएंगे, ताकि युवाओं में देशप्रेम, शांति और सकारात्मक सोच को बढ़ावा दिया जा सके।

माकपा ने की भाजपा के लोकतंत्र विरोधी विधेयकों की निंदा की

हरिभूमि न्यूज ⏭ बाढ़ड़ा

माकपा ने लोकतंत्र-विरोधी विधेयकों की निंदा की भारत की कम्युनिष्ट पार्टी मार्क्सवादी जिला सचिव कामरेड ओमप्रकाश ब्लॉक सचिव कामरेड सुमेर सिंह ने प्रेस बयान के माध्यम माकपा ने लोकतंत्र-विरोधी विधेयकों की निंदा की। माकपा का पोलिट ब्यूरो, मोदी सरकार द्वारा प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और अन्य मंत्रियों को 30 दिनों की हिरासत में रखने के बाद पद से हटाने के लिए तीन विधेयक पेश करने के कदम की निंदा करता है, जो स्थापित कानूनी प्रक्रियाओं को दरकिनार करने की उसकी लोकतंत्र-विरोधी प्रवृति को दर्शाता है। अतीत में भी भाजपा ने न्यायिक जांच से बचने के लिए तथाकथित जघन्य कृत्यों को विशेष रूप से चिन्हित करके एक व्यापक कानून थोपने की प्रवृति दिखाई है। सीपीआई एम इस विधायी प्रस्ताव का पूरी ताकत से विरोध करने के लिए प्रतिबद्ध है और विपक्ष में सभी समान विचारधारा वाले लोकतांत्रिक और धर्मनिरपेक्ष दलों से आग्रह करती है कि वे इस अनुचित कदम का संयुक्त रूप से विरोध करें। मोदी सरकार द्वारा प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और अन्य मंत्रियों को 30 दिनों की हिरासत में रखने के बाद पद से हटाने के लिए तीन विधेयक पेश करने के कदम की निंदा करता है, जो स्थापित कानूनी प्रक्रियाओं को दरकिनार करने की उसकी लोकतंत्र-विरोधी प्रवृति को दर्शाता है।

190 मरीजों का स्वास्थ्य जांचा

- शिविरों की संख्या बढ़ाने में और सहयोग देंगे: बजरंगलाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी। मरीज के स्वास्थ्य की जांच करते चिकित्सक। फोटो: हरिभूमि

स्टोनेक्स फाउंडेशन के चेयरमैन एवं समाजसेवी बजरंगलाल अग्रवाल ने कहा कि जरूरतमंदों की सेवा करने में सभी समर्थ लोगों को बढ़-चढ़कर आगे आना चाहिए।

भिवानी परिवार मैत्री संघ (बीपीएमएस) ने निःशुल्क नेत्र एवं चिकित्सा जांच शिविर लगाया, 190 मरीजों की जांच की गई और उन्हें दवाई एवं उचित चिकित्सा परामर्श दिया। अग्रवाल ने इच्छा जाहिर की कि भिवानी जिले में स्थित उनके पैतृक गांव खरकड़ी में भी ऐसे शिविर का जल्द आयोजन किया जाए। उल्लेखनीय है कि श्रीकृष्ण प्रणामी मंदिर में भिवानी परिवार मैत्री संघ का 30वां निःशुल्क नेत्र एवं कैंसर जांच शिविर स्वर्गीय अंची देवी एवं चिरंजीलाल की स्मृति में आयोजित किया।

स्टोनेक्स फाउंडेशन के चेयरमैन बजरंगलाल अग्रवाल अंची देवी एवं चिरंजीलाल के सुपुत्र हैं। शिविर में दिल्ली और गुरुग्राम के वरिष्ठ चिकित्सकों ने मरीजों की जांच की। शिविर सुबह नौ बजे से दोपहर एक बजे तक चला, जिसमें 190 मरीजों की जांच की गई। चिकित्सकों ने 50 मरीजों के लैंस वाले नेत्र ऑपरेशन के लिए चयनित किया और 70 मरीजों की ओरल जांच की गई। 'स्टोनेक्स' नाम की स्टोन ट्रेडिंग कंपनी आज देश की सबसे अग्रणी कंपनियों में शुमार है। बजरंगलाल अग्रवाल ने श्रीकृष्ण प्रणामी मंदिर में अपना घर आश्रम के दोनों केंद्रों (महिला एवं पुरुष) का दौरा किया और अपने कोष से एक लाख रुपये का चंदा दिया। बजरंगलाल परिवार ने अपने माता-पिता की स्मृति में मंदिर परिसर में पौधरोपण किया। इस अवसर पर स्टोनेक्स फाउंडेशन के मैनेजिंग ट्रस्टी रविकांत काबरा मौजूद रहे।

विवाह शगुन योजना समानता व सशक्तिकरण की प्रतीक : उपायुक्त

चरखी दादरी। हरियाणा सरकार द्वारा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में समाज के सभी वर्गों की बेटियों व दिव्यांगजन की शादी में आर्थिक सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना संचालित की जा रही है। यह योजना आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को सशक्त बनाने और बेटियों के विवाह के लिए प्रोत्साहन देने का एक सराहनीय प्रयास है। उपायुक्त मुनीश शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना समाज में समानता और सशक्तिकरण का प्रतीक है। इस योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को सहायता प्रदान करना और बेटियों की शादी में आर्थिक चिंताओं को कम करना है।

उद्यमिता दिवस का महत्व बताया

- सफल उद्यमी बनने के लिए नवाचार, जोखिम लेने की क्षमता व दृढ़ संकल्प आवश्यक: अमित

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी। विद्यार्थियों को उद्यमिता दिवस व स्वाबलंबी भारत अभियान की जानकारी देते वक्ता। फोटो: हरिभूमि

राजकीय मॉडल संस्कृति वमा विद्यालय में वीरवर को स्वदेशी जागरण मंच और स्वावलंबी भारत अभियान द्वारा विश्व उद्यमिता दिवस पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को उद्यमिता के महत्व और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम में मंच संचालन लेक्चरर राकेश रोहिल्ला ने किया।

कार्यक्रम में मंच के विभाग संयोजक अमित बंसल मुंढ़ालिया और स्वावलंबी भारत अभियान के जिला समन्वयक विनय सिंघल ने छात्रों को संबोधित किया। उन्होंने विश्व उद्यमिता दिवस के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डाला और बताया कि कैसे एक सफल उद्यमी बनने के लिए नवाचार, जोखिम लेने की क्षमता और दृढ़ संकल्प जैसे गुण आवश्यक हैं।

उन्होंने विद्यार्थियों को छोटे-छोटे उद्यम शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया, जो न केवल उनके लिए रोजगार के अवसर पैदा करेंगे बल्कि समाज और देश की अर्थव्यवस्था में भी योगदान देंगे।

विद्यालय के मुखिया होंगे जिम्मेदारी

- डीपीसी ने ली जिले के एबीआरसी संग मीटिंग, मीटिंग में राजकीय विद्यालय के भवनों का एकत्रित डाटा जांचा

हरिभूमि न्यूज ⏭ बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा। डीपीसी कार्यालय में जिले के एबीआरसी की मीटिंग लेते हुए डीपीसी विनय कुमार जिंदल। फोटो: हरिभूमि

डीपीसी कार्यालय में जिले के एबीआरसी की मीटिंग का आयोजन किया गया। मीटिंग में जिले के मुख्यतया सभी एबीआरसी ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। मीटिंग में एपीसी विवेक अदलखा, उपमंडल अभियंता दतात्रेय, सहायक महेन्द्र, संयोजक यूथ एंड इको क्लब कमल शर्मा ने भी डाटा जांचा और जानकारियां दी।

वहीं मीटिंग में डीपीसी विनय कुमार जिंदल के द्वारा एबीआरसी से राजकीय विद्यालयों से लिए गए प्रमाण पत्र जिसमें विद्यालय मुखिया द्वारा स्वयं हस्ताक्षरित प्रमाण पत्र दिया जिसमें बताया कि किसी भी विद्यार्थी को असुरक्षित एवं कंडम भवन में नहीं बिठाना है। यदि कोई इस संबंध में अप्रिय घटना घटित होती है तो उसकी जिम्मेवारी विद्यालय मुखिया की स्वयं की होगी। इस प्रमाण पत्र पर विद्यालय मुखिया, डीडीओ सहित संकुल संसाधन समन्वयक के हस्ताक्षर मोहर सहित मांगे गए थे।

अप्रिय घटना सहन नहीं की जाएगी: डीपीसी

अधिकारी ने बताया कि यदि विद्यालय भवन क्षतिग्रस्त है और विद्यार्थियों के बिठाने योग्य नहीं है विद्यालय मुखिया नजदीकी विद्यालय में व्यवस्था करें या नजदीक विद्यालय न होने की सूरत में विद्यालय मुखिया गांव में सरपंच से पंचायत भवन या अन्य किसी स्थान में बच्चों को बिठाने की व्यवस्था करे लेकिन किसी बच्चे के साथ अप्रिय घटना सहन नहीं की जाएगी। वहीं अधिकारी ने एबीआरसी के कार्यों की सराहना की और ऐसे डीडीओ और सीआरसी की सूची बनाकर उच्चाधिकारियों को भेजी जाएगी और स्पष्टीकरण मांगा जाएगा। तत्पश्चात अधिकारी ने कर्मचारियों को बताया कि वे स्वयं विद्यालयों का निरीक्षण करते हैं और शिक्षा स्तर जांचते हैं। एबीआरसी का कार्य सराहनीय है।

विद्यार्थी नए अवसर तलाशें: प्राचार्य

- एमएनएस राजकीय महाविद्यालय मनाया विश्व उद्यमिता दिवस

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी। विश्व उद्यमिता दिवस पर कार्यक्रम में मंचासीन अतिथि व विद्यार्थी।

एमएनएस राजकीय महाविद्यालय में प्लेसमेंट सेल के तत्वावधान में विश्व उद्यमिता दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. अजय कुमार शर्मा, एसोसिएट प्रोफेसर, प्रबंधन विभाग, टीआईटी कॉलेज रहे, जिन्होंने अपने प्रेरणादायी संबोधन में नवाचार, नेतृत्व तथा उद्यमी सोच के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला और युवाओं को भविष्य की संभावनाओं की ओर अग्रसर होने का संदेश दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राजकुमार शर्मा ने की। उन्होंने अपने संबोधन में राष्ट्र निर्माण में उद्यमिता की भूमिका पर बल देते हुए विद्यार्थियों को आत्म-रोजग़ार और व्यवसाय के नए अवसर तलाशने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अजीत, संयोजक, प्लेसमेंट सेल ने किया। प्लेसमेंट सेल के सम्मानित सदस्य डॉ. सुरेंद्र नरवाल, अनिल कुमार, डॉ. मदन सिंह, डॉ. कविता शर्मा, डॉ. रविकांत और डॉ. रवि विशेष रूप से उपस्थित रहे और कार्यक्रम की सफलता में सक्रिय योगदान दिया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य महाविद्यालय के विद्यार्थियों को उद्यमिता के कौशल विकसित करने और प्रतिस्पर्धात्मक विश्व की चुनौतियों के लिए तैयार करने को प्रेरित करना था।

जिम्मेदार विपक्ष की भूमिका निभाने में नहीं छोड़ेंगे कसर: गुलिया

नवनियुक्त शहरी जिलाध्यक्ष का किया स्वागत

- गुलिया के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी भिवानी में होगी और भी सशक्त: नीलम

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भिवानी। बैंक कॉलोनी में स्वागत समारोह में लोगों से बातचीत करते कांग्रेस के शहरी जिलाध्यक्ष प्रदीप गुलिया। फोटो: हरिभूमि

बैंक कॉलोनी स्थित प्राचीन शिव मंदिर प्रांगण में कांग्रेस के नवनियुक्त शहरी जिला अध्यक्ष प्रदीप गुलिया का भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम का आयोजन बैंक कॉलोनी के प्रधान राजेंद्र यादव ने किया, जिन्होंने प्रदीप गुलिया का फूलों और मालाओं से गर्मजोशी से अभिनंदन किया। गुलिया ने सभी उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे नागरिकों के सम्मान के प्रति हमेशा कृतज्ञ रहेंगे। उन्होंने कहा कि वे लोगों की छोटी से छोटी समस्या को प्राथमिकता के साथ सरकार तक पहुंचाने का काम करेंगे, ताकि मजबूत और जिम्मेदार विपक्ष की भूमिका निभाई जा सके।

नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया

गुलिया ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने उन पर जो भरोसा जताया है और उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी है, वे उसे पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से निभाएंगे। उन्होंने कांग्रेस की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया और कहा कि वे नाराज नेताओं एवं कार्यकर्ताओं को फिर से पार्टी से जोड़ने का प्रयास करेंगे, ताकि पार्टी को और मजबूत बनाया जा सके। वरिष्ठ कांग्रेस नेत्री नीलम अग्रवाल ने प्रदीप गुलिया की नियुक्ति पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने गुलिया को शहरी जिला अध्यक्ष बनाने का जो फैसला लिया है, वह पार्टी की दूरगामी सोच का परिणाम है। अग्रवाल ने गुलिया को होनहार और मेहनती कार्यकर्ता बताया, जिनकी मेहनत और पार्टी के प्रति निष्ठा का ये सुखद परिणाम है। उन्होंने इस फैसले के लिए पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का धन्यवाद किया और विश्वास जताया कि गुलिया के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी भिवानी में और भी सशक्त होगी। इस अवसर पर अमन तंवर राघव, विजेंद्र सिवाच, शीला गोरा, शिवकुमार बोस, सुनील शर्मा, दिनेश धनखड़, सूर्यकांत शास्त्री, महेंद्र चौहान, तेजपाल परमार, संजय शर्मा, अजमेर सिवाच, नरेंद्र प्रजापत, पूर्ण भाट, सुनील तंवर, हवासिंह परमार, कृष्ण चौहान, राजकुमार चौहान, पवन तंवर, प्रमिंद्र पम्मी, राजवीर चौहान, चमनलाल व राजू तोगड़िया आदि मौजूद रहे।

हरियाणा कॉलेज टीचर्स एसोसिएशन ने जताया रोष

प्राध्यापकों ने दिया काले बिल्ले लगाकर सांकेतिक धरना

एसो. महासचिव डॉ. राजेंद्र सिंह ने पुरानी पेंशन स्कीम बहाली व एनईपी 2020 वापस लेने की मांग की।

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। वैश्य कॉलेज परिसर में धरने के दौरान विरोध जताते प्राध्यापक।

वैश्य महाविद्यालय में हरियाणा कॉलेज टीचर्स एसोसिएशन की इकाई ने एआईएफयूसीटीओ के आह्वान पर 19 अगस्त से 21 अगस्त तक काले बिल्ले लगाकर अपनी विभिन्न मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन किया और 21 अगस्त को दोपहर एक से दो बजे तक लंबित मांगों को लेकर सांकेतिक धरना दिया। विरोध प्रदर्शन में एआईएफयूसीटीओ के वाइस प्रेसीडेंट डॉ. नरेंद्र चाहर व हरियाणा कॉलेज टीचर एसोसिएशन के महासचिव डॉ. राजेंद्र सिंह ने पुरानी पेंशन स्कीम बहाली व एनईपी 2020 वापस लेने की मांग की।

गुरुवार को हरियाणा कॉलेज टीचर्स एसोसिएशन के पदाधिकारी व सदस्य वैश्य कॉलेज के हॉल के सामने एकत्रित हुए और लंबित मांगों को लेकर काले बिल्ले लगाकर दोपहर एक बजे से दो बजे तक सांकेतिक धरना दिया। धरना प्रदर्शन एआईएफयूसीटीओ के वाइस प्रेसीडेंट डॉ. नरेंद्र चाहर व हरियाणा कॉलेज टीचर एसोसिएशन के महासचिव डॉ. राजेंद्र सिंह की अध्यक्षता में हुआ। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने पुरानी पेंशन बहाली, एनईपी 2020 वापस लेने, यूजीसी ड्राफ्ट रेगुलेशन 2024-25 वापस लेने, पदोन्नति में पीएचडी की अनिवार्यता को हटाने, समस्त भारतवर्ष में सेवानिवृत्ति आयु 65 वर्ष करने, कुल बजट का 10 प्रतिशत शिक्षा पर खर्च करने, अतिथि प्राध्यापकों को यूजीसी के रेगुलेशन के अनुरुप वेतनमान देने, सातवां पे कमीशन समस्त भारतवर्ष में समान रुप से लागू करने, यूजीसी द्वारा ओरिएंटेशन व रिफ्रेशर कोर्स में दी गई छूट सभी राज्यों में लागू करने व अतिशीघ्र एमफिल एवं पीएचडी की इंक्रीमेंट देने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि सभी मांगों को अति शीघ्र लागू किया जाए। उचित मांगों को मानकर शिक्षकों को राहत दी जाए।

धरने पर ये रहे मौजूद

इस अवसर पर डॉ. सविता जैन, डॉ. धीरज त्रिखा, डॉ. प्रदीप भारद्वाज, डॉ. हरिकेश पंघाल, डॉ. श्रुति, डॉ. कामना कौशिक, डॉ. सरिता गोयल, डॉ. सीमा बंसल, डॉ. पवन गुप्ता, डॉ.मोहनलाल, डॉ. आशा रानी, डॉ. विपिन गुप्ता, डॉ. मंगतराम, डॉ. सतीश श्योराण, डॉ. सुरेंद्र दलाल एवं महेंद्र कुमार आदि प्राध्यापक मौजूद रहे।

छात्र-छात्राओं को थल सैनिक कैंप में किया सम्मानित

- सेंट जेवियर्स स्कूल में एनसीसी कैडेट्स को हथियारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। एनसीसी कार्यक्रम में कैडेटस के साथ प्रबंधन कमेटी के पदाधिकारी।

एनसीसी परिसर में विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें सेंट जेवियर्स के विद्यार्थियों ने अनेक पदक प्राप्त किए। बटालियन ने एनसीसीटी कैडेटों को देश सेवा व विभिन्न गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। प्रशिक्षण शिविर में कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल थामस कुडी ने एनसीसी कैडेटस को हथियारों के बारे में विस्तार से बताया और रूबरू भी करवाया।

7.62 एमएम सैल्फ लैंडिग राइफल और 22 राइफल से पोजिशन लेने का तरीका व फायर करने का तरीका तथा प्रत्येक हिस्से को विस्तार से अवगत करवाया। आपदा प्रबंधन के बारे में जागरूक करवाया इसके अतिरिक्त अनेक ऐसी गतिविधियां रही जिनकी कैडेटों को जानकारी विस्तार से दी गई। सेंट जेवियर्स स्कूल के छात्र व छात्राओं ने अनेक गतिवधियों में बढ़चढ़ कर भाग लिया तथा अनेक मेडल भी प्राप्त किए। कैडेटस साक्षी को सीएचएम का रैंक मिला। पोस्टर बनाने में साक्षी ने गोल्ड और सांस्कृतिक कार्यक्रम में रजत पदक प्राप्त किया।

दीपिका ने रजत और स्वर्ण पदक जीते

कैडेटस दीपिका ने एलसी में रजत व प्रस्ताव प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम में रजत पदक प्राप्त किया। दीपाली ने स्वर्ण पदक बैस्ट ड्रा में प्राप्त किया। कनीका ने सांस्कृतिक नृत्य में कांस्य पदक प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त कैडेटस प्रिंस, शौर्य ने सीपीएल पदोन्नति प्राप्त की। कैडेटस आरूष व भावेश ने भी एलसीपीएल पदोन्नति प्राप्त की। स्कूल प्रबंधक मनीष सिंह, स्कूल निर्देशिका कीर्ति चौहान व स्कूल प्रधानाचार्या के द्वारा सभी छात्र कैडेटस को विद्यालय की स्पेशल असेंबली में पुनः सम्मानित किया। स्कूल प्रबंधक मनीष सिंह ने विद्यालय के अन्य छात्रों को भी एनसीसी के विषय में जागरूक किया। छात्रों को देशप्रेम के प्रति जानकारी प्रदान की ताकि आने वाले विद्यार्थी एनसीसी के माध्यम से देश के सैनिक बनकर देश की रक्षा करें।

जांगड़ा के पिता के निधन पर संगठनों ने शोक जताया

बाढ़ड़ा। रवि जांगड़ा के पिता सत्यनारायण जांगड़ा के निधन पर क्षेत्र के सामाजिक संगठनों ने उनके निवास स्थान पर पहुंचकर दिवंगत के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और शोक जताया। उनके निधन पर माकपा नेता कामरेड ओमप्रकाश, कमल प्रधान, सीटू नेता सुमेर सिंह धारणी, किसान नेता रामपाल सिंह धारणी, रोशन लाल, युवा नेता विजय मोटू, भाकियू जिला प्रधान हरपाल भांडवा, रामअवतार लाड, ओमप्रकाश उमरवास, कमल सिंह हडौदी, सत्यवीर, बुजुर्ग खिलाड़ी रामकिशन शर्मा, ऋषिपाल उमरवास, विजय इनसो काकडोली आदि ने शोक प्रकट किया।

विद्यार्थियों को स्टार्टअप्स का महत्व बताया

- राजकीय कॉलेज मांढ़ी हरिया में स्टार्टअप इंडिया कार्यक्रम पर व्याख्यान का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭बाढ़ड़ा

बाढ़ड़ा। राजकीय महाविद्यालय मांढ़ी हरिया में स्टार्टअप इंडिया कार्यक्रम बच्चों को संबोधित करते प्राचार्य डॉ. प्रवीन। फोटो: हरिभूमि

राजकीय महाविद्यालय मांढ़ी हरिया में बुधवार को स्टार्टअप विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को उद्यमिता की ओर प्रेरित करना व सरकार द्वारा स्टार्टअप्स को दी जा रही वित्तिय सहायता एवं योजनाओं की जानकारी प्रदान करना था। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्राचार्य डॉ. प्रवीन कुमार ने स्टार्टअप की अवधारणा, वर्तमान दौर में इसकी महत्वता तथा रोजगार सृजन में इसकी भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि भारत सरकार द्वारा स्टार्टअप इंडिया जैसी योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिनके अंतर्गत नए उद्यमों को विभिन्न प्रकार की वितीय सहायता, कर में छूट, नवाचार हेतु प्रोत्साहन और व्यवसाय को बढ़ाने के लिए आवश्यक प्रशिक्षण उपलब्ध करवाया जा रहा है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर सहायक प्रोफेसर राजेश कुमार, डॉ. योगित गोदारा, सहायक प्रोफेसर योगेश जांगडा, सहायक प्रोफेसर अर्जुन शर्मा आदि सभी स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

भिवानी। जागरूकता रैली निकालते विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

विद्यार्थियों को समाजहित के कार्यों के लिए प्रेरित करना जरूरी: सांगवान

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

- समाज में सकारात्मक बदलाव लाने को युवाओं को प्रेरित करना जरूरी : प्रोफेसर मान

महाराजा नीमपाल सिंह राजकीय महाविद्यालय के रेड रिबन क्लब ने अंतरराष्ट्रीय युवा सप्ताह के अंतर्गत दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया। इस आयोजन का उद्देश्य युवाओं को विभिन्न सामाजिक बुराइयों के प्रति जागरूक करना था। रेड रिबन क्लब की प्रभारी डॉ. सुनीता सांगवान के निर्देशन में छात्रों ने कई गतिविधियों में भाग लिया, जिनमें रेड रिबन दौड़, पोस्टर मेकिंग और स्लोगन प्रतियोगिता शामिल थी। प्रतियोगिताओं के माध्यम से छात्रों को सामाजिक और शारीरिक बुराइयों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी।

कार्यक्रम के दौरान एचआईवी/एड्स के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई। इसके अलावा व्याख्यान का भी आयोजन किया, जिसमें विशेषज्ञों ने युवाओं को एड्स व अन्य सामाजिक बुराइयों के खतरों के प्रति आगाह किया। महाविद्यालय के प्रेस प्रभारी प्रोफेसर जगवीर सिंह मान ने बताया कि कार्यक्रम के अंत में छात्रों ने जागरूकता रैली निकाली। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित करना था।

उन्होंने कहा कि विद्यार्थी देश के स्वर्णिम भविष्य की रीढ़ होते है, ऐसे में उन्हें समाजहित के कार्यो के लिए प्रेरित करना बहुत जरूरी है, ताकि वे भविष्य में स्वर्णिम भविष्य के निर्माण में अपना योगदान दे सकें। रैली में क्लब के सदस्य दीपिका, खुशबू और ममता के साथ-साथ छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त की।

प्राध्यापकों को नई शिक्षा नीति की जानकारी दी

- सभी छात्राओं के लिए फ्री बस पास की भी सुविधा उपलब्ध: प्रोफेसर

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। राजीव गांधी राजकीय महिला महाविद्यायल में कार्यक्रम में मौजूद स्टाफ व छात्राएं। फोटो: हरिभूमि

राजीव गांधी राजकीय महिला महाविद्यालय में नवप्रवेशी छात्राओं के लिए 21 अगस्त को ओरिएंटेशन सत्र का आयोजन किया। इस सत्र का उद्देश्य छात्राओं को कॉलेज के वातावरण से परिचित करवाना और उनकी शैक्षणिक यात्रा को सुव्यवस्थित दिशा प्रदान करना था। कार्यक्रम की संयोजिका प्रोफेसर ईशा चौधरी और सहसंयोजिका प्रोफेसर अनीता शर्मा ने नई शिक्षा नीति के बारे में विस्तार से व्याख्यान प्रस्तुत किया और बताया कि इसमें मल्टीपल एग्जिट और मल्टीपल एंट्री की सुविधा है। प्रोफेसर सविता गौड़ ने एनसीसी के बारे में विस्तार से बताया। डॉ. रेनूबाला ने एनएसएस के बारे में विस्तार से चर्चा की और बताया कि समाजसेवा के लिए प्रेरित करने में ये बहुत उपयोगी है। इस मौके पर डॉ. राजेश कुमार ने कॉलेज में शारीरिक शिक्षा और खेलों के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की। वहीं प्रोफेसर ललित कुमार ने स्कॉलरशिप योजनाओं की जानकारी दी। प्रोफेसर अजीत व डॉ. ज्योति ने यूथ रेडक्रॉस और रेड रिबन क्लब के बारे में जानकारियां सांझा की।

रोजगार मेलों के बारे में दी जानकारी

प्रोफेसर मुकेश कुमार ने छात्राओं को बताया कि सभी छात्राओं के लिए फ्री बस पास की सुविधा उपलब्ध है। प्रोफेसर शशिकांत माढिया ने रोजगार मेलों और उच्च शिक्षा के अवसरों के बारे में बताया। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. परमानन्द, प्रोफेसर नरेन्द्र, प्रोफेसर उदयभान, प्रोफेसर धर्मपाल, प्रोफेसर अनिल कुमार और प्रोफेसर सतविंद्र आदि प्राध्यापकों ने अपनी अहम भूमिका निभाई।

नौकरी पाने वाले नहीं बल्कि दूसरों को नौकरी देने वाले बनें: कुलपति

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

- उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय में विश्व उद्यमिता दिवस के उपलक्ष्य में सूक्ष्म, लघु एवं माध्यम उद्यम मंत्रालय भारत सरकार की स्थानीय शाखा एवं विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से एक दिवसीय उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन कुलपति प्रो दीप्ति धर्माणी की अगुवाई एवं कुलसचिव डॉ भावना शर्मा की विशेष उपस्थिति में किया गया।

कार्यक्रम में बतौर वक्ता एमएसएमई की सहायक निदेशक डॉ रचना त्रिपाठी, लेजिट्वेस्ट कंपनी के कोफाउंडर डॉ हिमांशु पूरी, एमएसएमई के इंडस्ट्रियल एक्सटेंशन ऑफिसर संजीव कुमार ने शिरकत विद्यार्थियों से संवाद किया। कुलसचिव डॉ भावना शर्मा ने संबोधित करते हुए कहा कि हमारे विद्यार्थी स्वरोजगार अपनाकर नौकरी पाने वाले नहीं बल्कि दूसरों को नौकरी देने वाले बनें। विश्वविद्यालय द्वारा समय समय पर विद्यार्थियों को उद्यमशील बनाने की दिशा में उनका सफल उद्यमियों से संवाद के साथ उनका उद्योग भ्रमण एवं प्रशिक्षण आदि महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। सुप्रसिद्ध इंटरप्रेन्योर डॉ हिमांशु पूरी ने कहा कि सरकारी नौकरियां बहुत सीमित हैं और प्राइवेट सेक्टर की नौकरियों में भी प्रतिस्पर्धा बहुत अधिक है।

अधकचरी सूचनाओं के आदान प्रदान से उलझा मनीषा की संदिग्ध मौत मामला

- सोशल मीडिया के टीआरपी बढ़ाने की होड़ ने घटना को कर दिया दिशा विहिन

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

ढाणी लक्ष्मण की बेटी मनीषा के शव का अंतिम संस्कार तो हो गया, लेकिन अभी कई अनसुलझे सवाल पब्लिक के सामने खड़े है। मनीषा की हत्या हुई या आत्महत्या, अभी तक यह स्पष्ट ही नहीं हो पाया। दरअसल यह अनसुलझी पहेली धरनास्थल पर उन तमाम मोबाइल से वीडियो बनाने वाले युवकों की देन है, जिनको वीडियो बनाने से लेकर सेंड करने तक की तो पूरी जानकारी थी,लेकिन तथ्यों को जांच व उनकी जानकारी लेकर वीडिया अपलोड करने की कोई जानकारी नहीं थी।

गलत तरीके से न्यूज फैलाने वालों का डाटा तैयार किया : डीजीपी

डीजीपी शत्रुजीत कपूर ने इस सारे घटनाक्रम को लेकर सोशल मीडिया के नाम पर लोगों को भ्रमित करने वाले तथाकथित कैमरे से वीडियो बनाने वाले लोगों को आगाह किया कि सुर्खियां बटोरने के लिए शरारती तत्व इस प्रकार के माहौल में गलत तथ्यों को पेश करने का प्रयास करते है। ऐसे लोगों को चिह्नित करके उन पर कार्रवाई भी की गई है। इसके साथ ही कुछ और भी ऐसे यूट्यूबर व वीडियो बनाने वाले लोगों को चिह्नित किया जा रहा है, जिन्होंने इस सारे मामले में भ्रम फैलाया है। ऐसे लोगों के चलते लोकतंत्र पर प्रश्न चिह्न खड़े होते है।

देशभक्ति पर मनमोहक प्रस्तुतियां दी

- संस्कार भारती ने नृत्य करवाया प्रतियोगिता का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। कार्यक्रम में मुख्यअतिथि को सम्मानित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

हनुमान ढाणी में स्थित हनुमान जोहड़ी धाम में महंत चरण दास के पावन सान्निध्य में संस्कार भारती की भिवानी इकाई के द्वारा जन्माष्टमी पर्व के उपलक्ष्य में विद्यालय स्तरीय युगल नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन करवाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत महंत चरण दास जी तथा माननीय विधायक घनश्याम सर्राफ के द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में समाज सेविका प्रेमलता सर्राफ ने शिरकत की। अध्यक्षता रितु मित्तल द्वारा की गई तथा विशिष्ट अतिथि डॉ कपिल शर्मा, सचिन जैन तथा सुशील गुप्ता रहे। मंच का सुंदर संचालन महासचिव अनिल पोपली द्वारा किया गया । नगर के अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज की जिनमें सुभाष गोयल, रामचंद्र मित्तल ,वरिष्ठ कर अधिवक्ता गोपाल कृष्ण पोपली,डॉ अजय शर्मा, राम अवतार शर्मा ,डॉ जया शर्मा,डॉ प्रोमिला सुहाग,दिनेश दाधीच आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। संस्कार भारती के संरक्षक के रूप में प्रवीण गर्ग का सान्निध्य मिला।

प्रतियोगिता में 14 स्कूलों के बच्चों ने लिया भाग

प्रतियोगिता में भिवानी तथा आसपास के 14 विद्यालयों के प्रतिभागियों ने भगवान श्री कृष्ण की लीलाओं से संबंधित मनमोहक युगल नृत्य प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता के अतिरिक्त प्रयास, सेवा भारती भिवानी के बच्चों द्वारा भी इस थीम और देशभक्ति पर मनमोहक प्रस्तुतियां दी गई। प्रतियोगिता का परिणाम इस प्रकार रहा। प्रथमः वैश्य मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल भिवानी, द्वितीय : बिट्स इंटरनेशनल स्कूल भिवानी , तृतीय : हलवासिया विद्या विहार, भिवानी। इन विजेताओं को पुरस्कार स्वरूप 3100, 2100 तथा 1100 रुपए की नकद धनराशि, प्रमाण पत्र, विद्यालयों और विद्यार्थियों के लिए स्मृति चिन्ह और उपहार दिए गए। शेष अन्य टीमों को भी 500 प्रति टीम, प्रमाण पत्र तथा उपहार दिए गए।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8295157800, 8814999151, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

नियमित रूप से निरीक्षण करें जिला स्तर व उपमंडल स्तर की टास्क फोर्स कमेटी: डीसी

अवैध खनन व ओवरलोडिंग रोकने को लेकर मंथन

- जिला स्तरीय टास्क फोर्स कमेटी की बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त मुनीश शर्मा ने की।

हरिभूमि न्यूज ⏭चरखी दादरी

चरखी दादरी। खनन विभाग की जिला स्तरीय टास्क फोर्स की मीटिंग लेते उपायुक्त।

दादरी जिले में अवैध खनन और ओवरलोडिंग पर लगाम कसने और खनिज संसाधनों के पारदर्शी व न्यायसंगत प्रबंधन के लिए प्लानिंग से काम किया जा रहा है। खनन विभाग की जिला स्तरीय टास्क फोर्स कमेटी की बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त मुनीश शर्मा ने की। उन्होंने कहा कि अवैध खनन किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने खनन, पुलिस, वन एवं आरटीए विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे आपसी समन्वय के साथ संयुक्त अभियान चलाएं और अवैध खनन के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई करें।

उन्होंने कहा कि जिले में अवैध खनन की आशंका वाले क्षेत्रों की पहचान कर विशेष रणनीति बनाई जाए तथा समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उपायुक्त शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार किसी भी सूरत में अवैध खनन को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। खनन केवल नियमों के दायरे में और पारदर्शी तरीके से हो। उन्होंने बताया कि खनन विभाग के महानिदेशक केएम पांडुरंग स्वयं जिला स्तर पर गतिविधियों की निगरानी कर रहे हैं।

उपायुक्त ने मिट्टी के अवैध उठान को गंभीर अपराध मानते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐसे मामलों में तत्काल, सख्त व प्रभावी कार्रवाई करें।

उन्होंने जिला एवं उपमंडल स्तरीय टास्क फोर्स कमेटियों को निर्देश दिए कि वे नियमित रूप से औचक निरीक्षण करें ताकि किसी भी स्तर पर अवैध खनन की कोई गुंजाइश न रहे। उन्होंने साथ ही, आमजन को अवैध खनन की शिकायत दर्ज कराने के लिए टोल फ्री नंबर पर जानकारी दी जाए और जन जागरूकता अभियान चलाए जाएं।

अगस्त महीने में 32 लाख के काटे चालान

बैठक में खनन विभाग की माइनिंग ऑफिसर सांची ने बताया कि अगस्त माह में खनन विभाग ने अवैध खनन और खनिज परिवहन में संलिप्त आठ वाहनों को जब्त किया है और उनपर लगभग 32 लाख रुपये की राशि का जुर्माना लगाया है। उन्होंने कहा कि अवैध खनन एवं ओवरलोडिंग पर पूरी तरह से अंकुश लगाया जाएगा।